कनाडा दौरे से बढ़ी व्यापार में रफ्तार

निवेश और तकनीक पर जोर : मंत्री पीयूष गोयल

2030 तक 50 अरब डॉलर लक्ष्य

नयी दिल्ली, 28 मई केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कनाडा की अपनी तीन दिवसीय यात्रा 28 फरवरी को पूरी की जिसे मंत्रालय ने अत्यंत सफल और ऐतिहासिक बताया.

मंत्री गोयल ने कनाडा बिजनेस काउंसिल के अध्यक्ष और सीईओ गोल्डी हैदर के साथ एक सार्थक बैठक की. चर्चा का मुख्य विषय भारत-कनाडा के बीच वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करना और प्रौद्योगिकी, अवसंरचना, स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में उद्योग-नेतृत्व वाली साझेदारियों को बढ़ावा देना था. दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच व्यापार-संबंधों को बढ़ाने में भारत-कनाडा सीईओ फोरम की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया.

भारत के उद्यमियों के एक बड़े दल के साथ कनाड़ा गये श्री गोयल ने इस यात्रा में प्रधानमंत्री मार्क जे कार्नी, वाणिज्य मंत्री मनिंदर सिद्धू, विदेश मंत्री अनिता आनंद और कुछ अन्य मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने तथा भारत-कनाडा के बीच प्रस्तावित व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (भारत-कनाडा सेपा) की बातचीत इस साल के अंत तक सम्पन्न करने पर सार्थक बातचीत की.

इस यात्रा के अंतिम चरण में श्री गोयल टोरंटो में शिक्षा जगत, नवाचार, सरकार, व्यापार परिषदों, संस्थागत निवेशकों और भारतीय प्रवासी समुदाय से संबंधित कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लिया. इन बैठकों ने भारत-कनाडा आर्थिक साझेदारी की निरंतर गति को सुदृढ़ किया और निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग और दीर्घकालिक साझेदारियों के लिए एक प्रमुख वैश्विक गंतव्य के रूप में भारत के उदय को रेखांकित किया. श्री गोयल ने यात्रा के तीसरे दिन की शुरुआत टोरंटो विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित मुंक स्कूल ऑफ ग्लोबल अफेयर्स एंड पब्लिक पॉलिसी में संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों को संबोधित करने के साथ की. इस कार्यक्रम में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की तीव्र आर्थिक प्रगति, परिवर्तनकारी सुधारों और बढ़ते वैश्विक नेतृत्व की चर्चा की. उन्होंने भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और जन-संबंधों को और मजबूत करने के लिए शिक्षाविदों, उद्योग जगत और नीति निर्माताओं के बीच गहन सहयोग की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला.

आरबीआई नाम पर फर्जी ईमेल अलर्ट

नई दिल्ली, 28 मई. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नाम पर फर्जी ईमेल और मैसेज भेजकर लोगों को ठगने का एक नया तरीका सामने आया है. इन ईमेल में दावा किया जा रहा है कि व्यक्ति को लॉटरी जीतने, विदेशी फंड मिलने या किसी 'डोनेशन प्रोग्राम 2026' के लिए चुने जाने पर बड़ी रकम दी जाएगी. लेकिन सरकार और प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो ने साफ कर दिया है कि यह पूरी तरह फर्जी और साइबर ठगी का हिस्सा है. इन फर्जी ईमेल में लोगों से क्रेडिटिंग फीस, प्रोसेसिंग फीस या 'आरबीआई क्लीयरेंस चार्ज' जैसे नामों पर पहले पैसे मांगे जाते हैं. यह फीस देने के बाद करोड़ों रुपये सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए जाएंगे. लेकिन जैसे ही कोई व्यक्ति पैसे भेजता है, ठग या तो गायब हो जाते हैं या फिर नए बहाने से और पैसे मांगते रहते हैं.

भारत बना एआई की सबसे बड़ी ताकत

भारत में डिजाइन हुई स्मार्ट पावर चिप

ग्लोबल मार्केट पर भारतीय कंपनियों की नजर

नई दिल्ली, 28 मई दुनिया भले ही चैटजीपीटी और बड़े एआई मॉडल्स के लिए अमेरिका की कंपनियों का नाम लेती हो, लेकिन भारत अब उस तकनीक पर काम कर रहा है जिसके बिना पूरा एआई सिस्टम अधूरा है.

भारतीय स्टार्टअप सी2आई सेमीकंडक्टर्स ने एआई डेटा सेंटर्स के लिए पूरी तरह भारत में डिजाइन की गई पहली 'स्मार्ट पावर स्टेज चिप' को सफलतापूर्वक टेप-आउट कर दिया है. यह उपलब्धि भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर के लिए ऐतिहासिक मानी जा रही है.

यह चिप एआई डेटा सेंटर्स में बिजली की खपत को नियंत्रित और ऑप्टिमाइज करने का काम करेगी. एआई मॉडल्स को चलाने के लिए भारी क्षमता वाले सर्वर और जीपीयू इस्तेमाल होते हैं, जिनमें बिजली की मांग बेहद ज्यादा होती है. इसी वजह से डेटा सेंटरों में हीटिंग और सिस्टम क्रैश जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं. भारतीय कंपनी की यह नई तकनीक इन चुनौतियों का समाधान देने में अहम भूमिका निभा सकती है.

सेमीकंडक्टर की दुनिया में 'टेप-आउट' का मतलब होता है कि चिप का डिजाइन पूरी तरह तैयार होकर मैन्युफैक्चरिंग के लिए भेज दिया गया है.

> भारत सरकार अब सेमीकंडक्टर सेक्टर को रणनीतिक ताकत के रूप में विकसित कर रही है. यही वजह है कि सी2ई को पीक पार्टनर्स, यानी कैपिटल द्य और टी डी के वेन्चर्स जैसे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का समर्थन भी मिला है. कंपनी अगले कुछ महीनों में 21 हजार से ज्यादा चिप्स की टेस्टिंग करेगी और वैश्विक ग्राहकों के साथ वैलिडेशन शुरू करेगी. एआई का भविष्य जितना मजबूत होगा, उतनी ही ज्यादा जरूरत ऐसे पावर मैनेजमेंट चिप्स की होगी. ऐसे में भारत अब सिर्फ एआई का उपयोगकर्ता नहीं बल्कि एआई इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़ा खिलाड़ी बनकर उभर रहा है.

हाइड्रोजन ट्रेन से बदलेगी रेल यात्रा

गैस लीक होते ही खुद रुकेगी ट्रेन

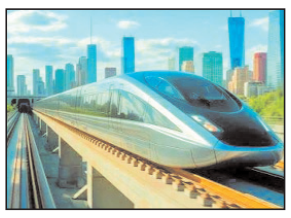

नई दिल्ली, 28 मई. भारतीय रेलवे अब हरित और आधुनिक परिवहन की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाने जा रहा है. देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेन को संचालन की मंजूरी मिल गई है.

यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड पर चलाई जाएगी, जहां इसके सफल ट्रायल पहले ही पूरे किए जा चुके हैं. रेलवे का दावा है कि यह ट्रेन पूरी तरह सुरक्षित, पर्यावरण अनुकूल और भविष्य की रेल तकनीक का बड़ा उदाहरण होगी.

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन को सुरक्षा, विश्वसनीयता और भारतीय ट्रैक के अनुरूप संचालन जैसे कई सख्त मानकों पर परखा गया. सभी परीक्षणों में सफल रहने के बाद इसे अंतिम मंजूरी दी गई. खास बात यह है कि ट्रेन में एडवांस लीक डिटेक्शन सिस्टम लगाया गया है. यदि किसी भी स्थिति में हाइड्रोजन गैस का रिसाव होता है तो सेंसर तुरंत अलर्ट जारी करेंगे और ट्रेन अपने आप रुक जाएगी. इससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी. चेन्नई में तैयार की गई यह ट्रेन पूरी तरह ग्रीन तकनीक पर आधारित है. इसके संचालन के दौरान धुआं या कार्बन उत्सर्जन नहीं होगा और केवल पानी की भाप निकलेगी.

रिलायंस ने कीं 1 लाख से ज्यादा नई भर्तियां

ग्रीन एनर्जी से 2 लाख रोजगार की उम्मीद

मुंबई, 28 मई. रिलायंस ग्रुप ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1 लाख से ज्यादा नई भर्तियां कीं. कंपनी की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक 31 मार्च 2026 तक रिलायंस के कुल कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 4,19,911 हो गई.

इस दौरान कंपनी ने एआई, डेटा साइंस, ऑटोमेशन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसे क्षेत्रों में नई प्रतिभाओं को जोड़ने पर खास ध्यान दिया. रिलायंस के मुताबिक यह भर्ती कंपनी के उस बदलाव को दिखाती है, जिसके तहत वह खुद को टेक-फर्स्ट और डीप-टेक कंपनी के रूप में आगे बढ़ा रही है.

रोजगार के मोर्चे पर कंपनी की अगली बड़ी उम्मीद ग्रीन एनर्जी कारोबार से है. जामनगर में बन रहा धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स अर्थव्यवस्था में 2 लाख से ज्यादा ग्रीन जॉब्स पैदा करने की क्षमता रखता है. कंपनी के मुताबिक स्वच्छ ऊर्जा की ओर यह बदलाव समूह के लिए रोजगार का अगला बड़ा इंजन बन सकता है.

कंपनी सिर्फ नौकरियां देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अपने कर्मचारियों पर बड़ा निवेश भी करती है. रिपोर्ट के मुताबिक फवाय 26 में रिलायंस ने कर्मचारियों पर ?30,318 करोड़ खर्च किए, जो पिछले वित्त वर्ष के ?28,559 करोड़ से 6.2 प्रतिशत अधिक है. इसी दौरान कंपनी को लगातार छठे वर्ष 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' का तमगा भी मिला.

> महिला भागीदारी के मोर्चे पर भी रिलायंस ने प्रगति दर्ज की. में समूह में नेतृत्व पदों पर महिलाओं की हिस्सेदारी 14.7 प्रतिशत रही, जबकि कमाई से सीधे जुड़े कामों में यह हिस्सेदारी 30.6 प्रतिशत रही. जियो ने 11 भाषाओं में काम करने वाला द्ध-आधारित भर्ती प्लेटफॉर्म भी इस्तेमाल किया, जिसका उद्देश्य भर्ती प्रक्रिया को अधिक निष्पक्ष बनाना है. कंपनी के ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी कार्यक्रम को में 53,900 रजिस्ट्रेशन मिले, जिससे दूर-दराज के क्षेत्रों के उम्मीदवारों तक पहुंच बढ़ी.

एयरटेल ने प्रायोरिटी पोस्टपेड सेवा पर रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली, 28 मई. भारती एयरटेल ने दूरसंचार विभाग की एक समिति के सामने अपनी नई प्रायोरिटी पोस्टपेड सेवा को लेकर अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि 5जी नेटवर्क स्लाइसिंग तकनीक पर आधारित यह सेवा न तो नेट न्यूट्रैलिटी नियमों का उल्लंघन करती है और न ही प्रीपेड ग्राहकों की सेवा गुणवत्ता को प्रभावित करती है।

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी समिति द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण के जवाब में एयरटेल ने कहा कि यदि 5जी की मुख्य सुविधाओं का उपयोग कर सेवाएँ देने की अनुमति नहीं दी गई तो देश में 6जी की सम्भावनाओं को नुकसान पहुंचेगा। एयरटेल ने अपने जवाब में कहा, प्रायोरिटी पोस्टपेड को पूरी तरह कंटेंट-न्यूट्रल तरीके से लागू किया गया है और यह ट्राई तथा डीओटी के मौजूदा ढाँचे के अनुरूप है। इसमें किसी भी एप्लीकेशन को ब्लॉक करना, स्पीड कम करना, कंटेंट के

नेट न्यूट्रैलिटी उल्लंघन से किया इनकार

आधार पर प्राथमिकता देना, जीरो-रेटिंग करना या किसी एप्लीकेशन को विशेष लाभ देना शामिल नहीं है। एयरटेल ने 19 मई को प्रायोरिटी पोस्टपेड प्लान लॉन्च किए। कंपनी का कहना है कि इन प्लान्स के तहत पोस्टपेड ग्राहकों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी लगातार और स्थिर स्पीड का अनुभव मिलेगा।

नई टियागो-ईवी की हुई दमदार एंट्री

गुरुग्राम, 28 मई टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएम पीवी) ने गुरुवार को बेहतर लुक, बेहतर डिजाइन और बेहतर सुरक्षा फीचरों के साथ नयी पीढ़ी की हैचबैक कार टियागो और टियागो.ईवी पेश किये.

टीएमपीवी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेश चंद्रा ने यहां एक कार्यक्रम में इनकी पहली झलक दिखाते हुए बताया कि नयी पीढ़ी के टियागो पेट्रोल के विभिन्न संस्करणों की एक्स-शोरूम कीमत 4,69,990 रुपये से 7,29,990 रुपये रखी गयी है. सीएनजी इंजन वाले टियागो आईसीएनजी की एक्स-शोरूम कीमत 5,79,990 लाख रुपये से 7,99,990 लाख रुपये तक है.

टियागो.ईवी की एक्स-शोरूम कीमत 6,99,990 लाख रुपये से 9,99,990 लाख रुपये तक है. इसके अलावा ग्राहकों के पास 4,69,990 लाख रुपये में कार खरीदने और बैटरी-एज-ए-सर्विस के लिए प्रति किलोमीटर 2.60 रुपये की दर से ईएमआई भरने का विकल्प भी होगा. इसकी गणना प्रति दिन 44 किलोमीटर की औसत ड्राइविंग के आधार पर की गयी है. चंद्रा ने कहा कि अगली पीढ़ी के टियागो में बाहरी लुक में काफी बदलाव किये गये हैं. साथ ही प्रीमियम इंटीरियर फीचर भी दिये गये हैं.

गाड़ी चुनेगी अपना सही पेट्रोल

नई दिल्ली, 28 मई आने वाले दिनों में देश के पेट्रोल पंपों की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है. अब तक जहां वाहन चालकों के पास सामान्य और प्रीमियम पेट्रोल का ही विकल्प होता था, वहीं जल्द ही इ 20, इ 22, इ 25 और इ 30 जैसे अलग-अलग इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल बाजार में उपलब्ध होंगे. सरकार का उद्देश्य हर वाहन को उसके इंजन के हिसाब से सबसे उपयुक्त ईंधन उपलब्ध कराना है. इससे न केवल गाड़ियों की परफॉर्मेंस बेहतर होगी बल्कि भारत का आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता भी कम होगी.

सरकार ने सार्वजनिक और निजी तेल कंपनियों को मल्टी-वैराइटी इथेनॉल ईंधन उपलब्ध कराने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के निर्देश दिए हैं. इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल जैसी कंपनियां इस दिशा में तेजी से काम कर रही हैं. पेट्रोल पंपों पर अलग-अलग ईंधनों के लिए नई मशीनें, अलग नोजल, भूमिगत टैंक और एडवांस मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए जाएंगे. पुराने इंजन कम मिश्रण पर बेहतर चलते हैं, जबकि नई और फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियां इ 20 से लेकर इ 30 तक के मिश्रण को आसानी से इस्तेमाल कर सकती हैं.

बायोफ्यूल से महंगा हुआ सोयाबीन

अफ्रीका से 80 हजार टन आयात

अल नीनो ने बढ़ाई उत्पादन की चिंता

नई दिल्ली, 28 मई बायोफ्यूल सेक्टर में सोयाबीन के बढ़ते इस्तेमाल ने वैश्विक बाजार में आपूर्ति संकट पैदा कर दिया है. इसका असर भारत में भी साफ दिखाई दे रहा है.

पिछले एक महीने में सोयाबीन और सोयामील की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है, जिसके चलते भारतीय निर्यातकों को 25 हजार टन सोयामील के निर्यात सौदे रद्द करने पड़े हैं. वहीं बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अफ्रीकी देशों से करीब 80 हजार टन सोयाबीन आयात किया जा रहा है. मुताबिक इस साल भारत का कुल सोयाबीन आयात रिकॉर्ड 8 लाख टन तक पहुंच सकता है. दुनिया के कई बड़े देशों ने कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच बायोफ्यूल मिश्रण को तेजी से बढ़ाया है. इसके कारण खाद्य तेल और सोयाबीन का बड़ा हिस्सा ईंधन बनाने में इस्तेमाल हो रहा है, जिससे बाजार में सप्लाई घट गई है.

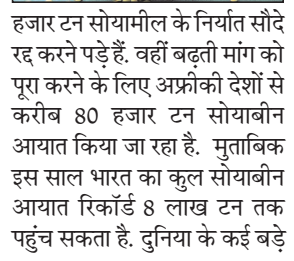

> कृषि मंत्रालय के अनुसार 2025-26 में सोयाबीन उत्पादन 125.96 लाख टन रहने का अनुमान है. हालांकि अल नीनो की आशंका ने उत्पादन को लेकर चिंता और बढ़ा दी है. अगर मानसून कमजोर रहा तो कीमतों में और उछाल आ सकता है. इस बीच देश में कुल अनाज उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान लगाया गया है.

समाचार विशेष

सम्राट के हरे गमछे से तेजस्वी को क्यों लगी मिर्ची?

पटना. बिहार की राजनीति में राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जहां सुशासन और विकास की लकीर खींचने में लगे हैं, विपक्ष खास कर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) उन तमाम कार्यों को जातीय रंग देने में लगा है.

पुलिस एनकाउंटर को जहां जाति विशेष अभियान बताया गया, वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की विशेषताओं के संदर्भ में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हरे गमछे वाले को पकड़ने की बात क्या कह दी, तेजस्वी यादव ने इसे जाति, धर्म और पार्टी विशेष से जोड़ लिया. यह विचार वो तब प्रगट कर रहे हैं, जब तेजस्वी ने कभी खुद हरे गमछे को पार्टी के भीतर बैन किया था.

क्या है पूरा मामला?- बिहार एआई समिट के उद्घाटन सत्र में सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि पटना में 4 हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगे हैं. एआई से कह दिया जाए कि हरा गमछा वालों को खोजो तो सभी हरा गमछा वालों को तुरंत पकड़ लेगा. हालांकि मजाकिया लहजे में उन्होंने ये बातें कही, पर सम्राट चौधरी के इस संवाद ने बिहारी की राजनीति की चूले हिला दीं.

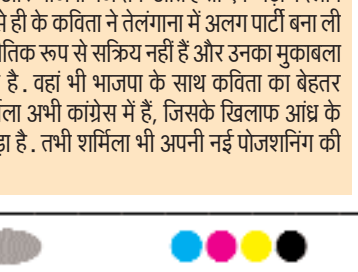

विपक्ष तो यह मान कर चल रहा है कि ये अप्रत्यक्ष प्रहार उसी पर है. हालांकि सीएम ने बाद में सफाई देते कहा कि मेरे लिए किसी अपराधी की कोई जाति नहीं है.

कभी खुद ने अपनी रैली में बैन किया था ग्रीन गमछा

साम्प्रदायिक रंग देने में जुटे तेजस्वी- राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के हरे गमछे वाले बयान पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने इसे मुस्लिम और यादव से जोड़ एमवाय समीकरण की तुष्टिकरण की राजनीति को आवाज दे दी. तेजस्वी यादव इस मुद्दे के सहारे बिहार की राजनीति को राजद सुप्रीमो के 1990 काल में ले जाने की तान छेड़ दी है. अब विपक्ष की राजनीति की धूरी पार्टी की पहचान के साथ यानी हरे रंग के झंडा, टोपी और गमछा से जा जुड़ी है और इस बहाने तेजस्वी यादव एक बार फिर राज्य की राजनीति को सांप्रदायिक विद्वेष के रंग में रंगने को जुट गए हैं.

> **नकारात्मक भाव में तेजस्वी भी**
>
> आज गमछा को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपनी राय सम्राट नीत सरकार से भले अलग रख रहे हों, पर कुछ ही माह पहले तेजस्वी यादव ने हरा गमछा को सकारात्मक भाव से तो नहीं देखा. विधानसभा चुनाव से पहले जब 10 सितंबर 2025 को तेजस्वी यादव संवाद यात्रा पर निकले थे, तो उसके पहले खुद उन्होंने हरे गमछे को बैन कर दिया था. तब राजद कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिया था कि वे संवाद यात्रा के दौरान हरे गमछा न पहने, इसके बदले सभी राजद पदाधिकारी, कार्यकर्ता हरी टोपी और बैज लगाएं.

जनसुराज पार्टी के अंदर कुछ ठीक नहीं

पटना. बिहार की राजनीति में खुद को व्यवस्था परिवर्तन की ताकत बताने वाली प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज पार्टी इन दिनों अंदरूनी खींचतान और असमंजस के चलते चर्चाओं में दिख रही है. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रुख ने प्रशांत किशोर को चिंता में डाल दिया है. सवाल यह उठता है कि पार्टी में चल क्या रहा है. विधानसभा चुनाव में शिकस्त मिलने के बाद भी प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति में डटे हुए हैं.

हालांकि प्रशांत ने अपना आशियाना बदल लिया है. शेखपुरा हाउस के बाजार से प्रशांत किशोर अब बिहटा स्थित आश्रम से सियासत को दिशा देने के लिये तैयार हैं. इन सबके बावजूद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रुख ने प्रशांत को मुश्किल में डाल दिया है.

आखिर राष्ट्रीय अध्यक्ष का क्यों हुआ पीके से मोह भंग?

उदय सिंह ने पार्टी से खुद को किया अलग - जनसुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह (पप्पू सिंह) के अचानक सक्रिय राजनीति से दूरी बनाने के संकेत ने जनसुराज पार्टी में उलझन पैदा कर दिया है. राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि क्या जन सुराज के भीतर सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा. उदय सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह अगले एक साल के लिए सक्रिय राजनीति से अलग हो रहे हैं. उदय सिंह ने निजी कारणों से पार्टी की गतिविधियों से अलग होने की बात कही है. दरअसल, हाल ही में यह चर्चा सामने आई कि पप्पू सिंह ने खुद को कुछ समय के लिए राजनीतिक गतिविधियों से अलग रखने का मन बनाया है.

तीन महिला नेताओं की राजनीति पर नजर

नई दिल्ली. दक्षिण भारत की राजनीति से आमतौर पर उत्तर में लोगों को ज्यादा मतलब नहीं होता है. फिर भी जब दक्षिण के राज्यों में कुछ दिलचस्प राजनीति हो रही हो या कुछ बड़ा बदलाव होता दिखता तो लोग दिलचस्पी लेते हैं. जैसे फिल्म स्टार विजय के तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनने पर सबकी नजर थी.

ऐसे ही अगले कुछ दिन में दक्षिण के तीन राज्यों में तीन महिला नेताओं की राजनीति पर नजर रखने की जरुरत होगी. तमिलनाडु में कनिमोझी, तेलंगाना में के कविता और आंध्र प्रदेश में वाईएस शर्मिला ये तीन ऐसी नेता हैं, जो बड़े नेताओं की बेटी हैं और स्वतंत्र राजनीतिक अस्तित्व बनाना चाहती हैं. इसलिए

इन तीनों की राजनीति पर नजर रखने की जरुरत है.

कनिमोझी की राजनीति सबसे दिलचस्प हो सकती है. अभी तक वे अपने भाई एमके स्टालिन की छाया में थीं. अब स्टालिन नेपथ्य में जा रहे हैं और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन कमान संभाल रहे हैं. लेकिन डीएमके के नेता मान रहे हैं कि उनसे पार्टी को फायदा नहीं होगा. इसलिए कनिमोझी को आगे लाने का प्रयास हो रहा है.

> डीएमके ने लोकसभा में अपने को कांग्रेस से अलग कर लिया है. अगर दिल्ली में कनिमोझी के जरिए डीएमके और भाजपा नजदीक आते हैं तो एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है. ऐसे ही के कविता ने तेलंगाना में अलग पार्टी बना ली है. अब उनके पिता भी राजनीतिक रूप से सक्रिय नहीं हैं और उनका मुकाबला अपने भाई केटी रामाराव से है. वहां भी भाजपा के साथ कविता का बेहतर तालमेल बन सकता है. शर्मिला अभी कांग्रेस में हैं, जिसके खिलाफ आंध्र के लोगों का गुस्सा ठंडा नहीं पड़ा है. तभी शर्मिला भी अपनी नई पोजशनिंग की तैयारी में हैं.

विशेष | **ओडिशा में क्यों हुआ उलटफेर?**

भगवा रंग में रंगे पटनायक के करीबी

भुवनेश्वर. पूर्व बीजेडी नेता देबाशीष सामंतराय भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं. देबाशीष ने बीजेडी पर अपमानित किए जाने का आरोप लगाते हुए पार्टी से त्यागपत्र दिया था. इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर भी साझा की थी.

वहीं, बीजद छोड़ने और भाजपा में शामिल होने पर बीजद ने देबाशीष पर स्वार्थी होने का आरोप लगाया है. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में सरकार बनाने के करीब तीन हफ्ते बाद ही बीजद को तगड़ा झटका लगा है. मंगलवार को प्रमुख बीजद नेता के बीजेपी में शामिल होने पर भाजपा प्रवक्ता और उत्तराखंड से लोकसभा सांसद अनिल बलूनी ने अपने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया. बलूनी के पोस्ट के बाद बंगाल से ओडिशा तक राजनीतिक हलचल तेज हो गई.

भाजपा से नई सियासी पारी की शुरुआत करने जा रहे देबाशीष सामंतराय ने एक्स पोस्ट के माध्यम से जानकारी साझा करते हुए लिखा था कि बीजू जनता दल के अध्यक्ष को मेरा त्यागपत्र पत्र. पार्टी की स्थापना से लेकर आज तक, मैं अपनी सेवा, संगठन और समर्पण की नीति के अनुसार कार्य करता रहा हूं.

> **राज्यसभा में अब बीजद पार्टी की संख्या घटकर 5**
>
> देबाशीष सामंतराय ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बेहद करीबी नेताओं में गिना जाता है. इस दिग्गज नेता के पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने पर बीजद को भारी झटका लगा है. सामंतराय के पार्टी छोड़ने के बाद राज्यसभा में अब बीजद पार्टी की संख्या घटकर 5 हो गई है. 25 मई, 2026 उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके बीजेडी की प्राथमिक सदस्यता और अपने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा देने की जानकारी दी.